चुनाव के दौरान देसी शराब की बिक्री बढ़ने की आस, गुड़ पर चढ़ा महंगाई का नशा

गुड़ की कीमत 200-250 रुपये प्रति क्विंटल बढ़कर 3,600-4,500 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंची, अभी और तेजी आने के आसार

[माधवी सैली | नई दिल्ली]

लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद देसी शराब की मांग बढ़ने की उम्मीद से गुड़ के व्यापार को फायदा हो सकता है। पिछले एक सप्ताह में गुड़ के दाम 5 पर्सेंट चढ़े हैं और 23 मई को समाप्त होने वाले सात चरणों के चुनाव के दौरान इनमें और तेजी आने की संभावना है।

महाराष्ट्र में कोल्हापुर मंडी में अप्पा लक्ष्मण लगाडे ट्रेडिंग कंपनी के प्रमोद लगाडे ने बताया कि मांग बढ़ने से गुड़ की कीमत 200-250 रुपये प्रति क्विंटल बढ़कर 3,600-4,500 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई है। गुड़ के व्यापारियों ने बताया कि चुनाव के सीजन में गुड़ और अन्य इंग्रीडिएंट्स से 24-48 घंटे में तैयार होने वाली देसी शराब पसंद की जाती है क्योंकि इस पर GST लागू नहीं लगता और गुड़ का स्टॉक रखने पर लिमिट नहीं है। इस व्यापार से जुड़े लोग खुश हैं क्योंकि इसमें बिक्री के तुरंत बाद भुगतान मिल जाता है। उत्तर प्रदेश में गुड़ के खुदरा और थोक व्यापारियों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह में कीमत 70-100 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी है। मुजफ्फरनगर मंडी में व्यापारी नरेश गोयल ने बताया, 'गुड़ की कीमतें मजबूत हैं और चुनाव की तारीख की घोषणा के साथ इनमें और तेजी आएगी। हमें लोकल बुवरीज से खरीदारी बढ़ने की उम्मीद है। कीमतें अभी 2,700 रुपये प्रति क्विंटल के करीब हैं जो 3,200 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच सकती हैं। यह गन्ने के सीजन का अंत है और हम होली के बाद कीमतों में कमी आने की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन अब चुनाव की तारीख की घोषणा के साथ गुड़ की मांग बढ़ेगी।' आंध्र प्रदेश में चित्तूर और अंकापल्ली, महाराष्ट्र में कोल्हापुर, सांगली और कराड, कर्नाटक में मांड्या और तमिलनाडु में वेल्लोर की मंडियों में भी गुड़ के दाम बढ़ रहे हैं। मंडियों में गुड़ की आवक कम होने से भी कीमतों में तेजी आई है। हापुड़ मंडी के व्यापारी पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया, 'कम मार्जिन के कारण सप्लाई कम थी। प्रतिदिन की आवक लगभग 4,000 क्विंटल थी जो अधिकतम 10,000 क्विंटल तक होती है। अब अधिक मांग और मुनाफा बढ़ने से आवक में तेजी आएगी।' अग्रवाल ने कहा कि स्थानीय 'कोल्हू' (जहां गन्ने से गुड़ बनाया जाता है) को गन्ना बेचने वाले किसानों को अब 25 पर्सेंट अधिक कीमत मिल रही है। इससे किसानों, गुड़ बनाने वालों और व्यापारियों को फायदा हो रहा है।

गुड़ की कीमतें मजबूत हैं और चुनाव की तारीख की घोषणा के साथ इनमें और तेजी आएगी। हमें लोकल बुवरीज से खरीदारी बढ़ने की उम्मीद है। कीमतें अभी 2,700 रुपये प्रति क्विंटल के करीब हैं जो 3,200 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच सकती हैं

नरेश गोयल *व्यापारी*

बढ़ने की वजह

चुनाव के सीजन में गुड़ से 24-48 घंटे में तैयार होने वाली देसी शराब काफी पसंद की जाती है क्योंकि इस पर GST लागू नहीं लगता

Economic Times

14/3/2019